DATE 11.11.24
PAGE No. 1

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण ('मुहावरे' पृष्ठ-165-167)
('कलेजा ठंडा होना' से 'पत्थर की लकीर' तक)

पुस्तक- वीवा हिंदी व्याकरण-8

प्यारे बच्चो, सुप्रभात!

आज हम कक्षा आठवीं की हिन्दी व्याकरण की पुस्तक के पृष्ठ-165-167 पर लिखे मुहावरों को पढ़ेंगे। यह कार्य आपको 11 नवंबर, 24 को भेजा जा रहा है। सब बच्चे इसे ध्यानपूर्वक पढ़ेंगे, समझेंगे और अपने वाक्य बनाने का प्रयास करेंगे।

वैसे तो आप अपनी पिछली कक्षाओं में भी मुहावरों के बारे में पढ़ते आ रहे हैं। आज फिर से इनके बारे में मैं आपको पढ़ाऊँगी।

'मुहावरा' का शाब्दिक अर्थ अभ्यास या बातचीत है। अपने प्रचलित अर्थ को छोड़कर विशेष अर्थ में प्रयुक्त किए जाने वाले वाक्यांश 'मुहावरे' कहलाते हैं। इनके प्रयोग से भाषा प्रभावशाली तथा ओजमयी बनती है। मुहावरों से जुड़े नियम भी जान लेते हैं।

1. मुहावरों का प्रयोग सदैव मूल रूप में ही किया जाना चाहिए।
2. वाक्य में अर्थ प्रयुक्त नहीं करना चाहिए बल्कि मुहावरे का ही प्रयोग करना चाहिए।

अब हम मुहावरे पढ़ना शुरू करते हैं—

36. उलटी-सीधी सुनाना (अर्थ- बुरा-भला कहना)
वाक्य- शुचि ने प्रिया को उसकी गलती बताई तो वह उसे उलटी-सीधी सुनाने लगी।

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (मुहावरे पृष्ठ-165-167)

37. एक ही थैली के चट्टे-बट्टे होना (अर्थ:- सभी एक समान होना)
वाक्य:- आजकल के नेता एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं।
38. एड़ी-चोटी का ज़ोर लगाना (अर्थ- पूरी तरह से कोशिश करना)
वाक्य:- अंकिता ने परीक्षा में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए एड़ी-चोटी का ज़ोर लगा दिया।
39. एक और एक ग्यारह होना (अर्थ:- संगठन में बल होना)
वाक्य- कक्षा में अध्यापिका ने समझाया कि हमें मिलकर रहना चाहिए क्योंकि एक और एक ग्यारह होते हैं।
40. खाक में मिलना (अर्थ- नष्ट होना)
वाक्य- भूकंप आने से कई इमारतें देखते-ही देखते खाक में मिल गई।
41. कमर टूटना (अर्थ- थक जाना)
वाक्य:- पारिवारिक समस्याओं से जूझते-जूझते मोहन की कमर ही टूट गई है।
42. कलेजा फटना (अर्थ- असहनीय दुख होना)
वाक्य:- विमान दुर्घटना में पीड़ित घायलों को देखकर मेरा कलेजा फट गया।
43. कलेजे पर पत्थर रखना (अर्थ:- धीरज रखना)
वाक्य:- राजा दशरथ ने कलेजे पर पत्थर रखकर राम-लक्ष्मण को राक्षस वध के लिए मुनि विश्वामित्र के साथ भेजा।
44. कान पर जूँ न रेंगना (अर्थ- कुछ भी असर न होना)
वाक्य:- मैंने मोहित को बहुत समझाया कि समय रहते पढ़ाई कर लो, पर उसके कान पर जूँ तक न रेंगी।
45. कानोंकान खबर न होना (अर्थ- बिलकुल खबर न होना)
वाक्य:- डाकू रातोंरात बैंक में डाका डालकर चले गए और किसी को कानोंकान खबर भी न हुई।

Scanned with CamScanner

कक्षा - आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (मुहावरे पृष्ठ-165-167)

46. किताबी कीड़ा होना (अर्थ- हर समय पढ़ने वाला, पढ़ाकू)
वाक्य:- अरे मुकुल, थोड़ी खुली हवा में भी खेला करो। तुम तो बिल्कुल किताबी कीड़ा बनते जा रहे हो।

47. खून का घूँट पीना (अर्थ- क्रोध को भीतर ही भीतर पीना)
वाक्य:- भरी सभा में जब द्रौपदी का अपमान हुआ तो सभी पांडव खून का घूँट पीकर रह गए।

48. खून-पसीना एक करना (अर्थ- बहुत परिश्रम करना)
वाक्य:- मयंक ने सरकारी नौकरी प्राप्त करने के लिए खून-पसीना एक कर दिया।

49. रोड़ा अटकाना (अर्थ:- बाधा डालना)
वाक्य:- दिव्या सदा दूसरों के काम में रोड़ा अटकाती है।

50. गागर में सागर भरना (अर्थ:- कम शब्दों में बहुत कुछ कहना।
वाक्य:- कवि बिहारी ने अपने दोहों में गागर में सागर भर दिया है।

51. गिरगिट की तरह रंग बदलना (अर्थ- सिद्धांतहीन होना)
वाक्य:- उन लोगों पर विश्वास मत करो जो गिरगिट की तरह रंग बदलते रहते हैं।

52. घाव पर नमक छिड़कना (अर्थ- दुखी को और दुखी करना)
वाक्य:- कठोर बात कहकर दुखी व्यक्ति के घाव पर नमक नहीं छिड़कना चाहिए।

53. घी के दीए जलाना (अर्थ- खुशियाँ मनाना)
वाक्य:- चुनाव में विजय प्राप्त करने के बाद नेता अपनी-अपनी पार्टी के साथ घी के दीए जला रहे हैं।

54. घोड़े बेचकर सोना (अर्थ- निश्चिंत होकर सोना)
वाक्य:- परीक्षा समाप्त हो जाने पर विद्यार्थी घोड़े बेचकर सोते हैं।

Scanned with CamScanner

11.11.24

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (मुहावरे) पृष्ठ-4

55. चार चाँद लगाना (अर्थ:- शोभा बढ़ाना)
वाक्य:- मोहिनी ने पूरे राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय तथा परिवार के सम्मान में चार-चाँद लगा दिए।

56. चिकनी चुपड़ी बातें करना (अर्थ- खुशामद करना)
वाक्य:- निशा चिकनी चुपड़ी बातें करके सबसे अपना काम करवा लेती है।

57. टका-सा जवाब देना (अर्थ:- साफ़ इनकार कर देना)
वाक्य:- कुलदीप सदैव मुझसे गृहकार्य में मदद लेता है परंतु जब मैंने उससे मदद माँगी तो उसने टका-सा जवाब दे दिया।

58. दाँत खट्टे करना (अर्थ:- हरा देना, परास्त करना)
वाक्य:- रानी लक्ष्मीबाई ने अपनी वीरता से अंग्रेजों के दाँत खट्टे कर दिए।

59. दाल न गलना (अर्थ:- सफल न होना)
वाक्य:- विपिन ने मनीष को मेरे खिलाफ खूब भड़काया परन्तु उसकी दाल न गली।

60. पहाड़ टूट पड़ना (कोई बड़ी मुसीबत आ जाना)
वाक्य:- भूकंप के कारण बेघर हुए लोगों पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा।

61. दाल में काला होना (अर्थ:- गड़बड़ होना)
वाक्य:- मोहन अपने मित्र से आँखें नहीं मिला रहा, लगता है दाल में कुछ काला है।

62. नमक मिर्च लगाना (अर्थ:- बढ़ा-चढ़ाकर कहना)
वाक्य:- आजकल समाचार चैनल खबरों को नमक-मिर्च लगाकर दिखाते हैं।

63. नौ-दो ग्यारह होना (अर्थ:- भाग जाना)
वाक्य:- पुलिस को देखते ही चोर नौ-दो ग्यारह हो गया।

64. पत्थर की लकीर (अर्थ:- पक्की बात)
वाक्य:- भगवान कृष्ण का हर कथन पत्थर की लकीर के समान होता है।

65. पानी-पानी होना (अर्थ:- लज्जित होना)
वाक्य:- परीक्षा में नकल करते रंगे हाथों पकड़े जाने पर सुधीर पानी-पानी हो गया।

Scanned with CamScanner

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (मुहावरे पृष्ठ-165-167)

66. पेट में चूहे कूदना (अर्थः - भूख लगना)
वाक्यः- माँ, जल्दी भोजन दो, मेरे पेट में चूहे कूद रहे हैं।
67. बाल-बाल बचना (अर्थः- मुश्किल से बचना)
वाक्यः- रेल दुर्घटना में सभी यात्री बाल-बाल बच गए।
68. भीगी बिल्ली बनना (अर्थः- डर के कारण दबकर रहना)
वाक्यः- थानेदार के सामने कैदी भीगी बिल्ली बनकर रहते हैं।
69. बाग़-बाग़ होना (अर्थः- बहुत प्रसन्न होना)
वाक्यः- अपना नया मोबाइल आया देख मेरी छोटी बहन बाग़-बाग़ हो गई।
70. मुँह में पानी आना (अर्थः- ललचाना)
वाक्यः- गोलगप्पे देखकर मेरी बहन के मुँह में पानी आ गया।
71. लकीर का फकीर होना (अर्थः- पुरानी बातों का दृढ़ता से पालन करना)
वाक्यः- नेहा की माँ अध्यापिका हैं परंतु विचारों में लकीर की फकीर हैं।
72. लोहे के चने चबाना (अर्थः- कठिन काम करना)
वाक्यः- शिवाजी ने मुगलों को लोहे के चने चबवा दिए।
73. हवाई किले बनाना (अर्थः- ख्याली पुलाव बनाना / कोरी कल्पना करना)
वाक्यः- सफलता प्राप्त करने के लिए काम करो, केवल हवाई किले बनाने से कुछ प्राप्त नहीं होगा।

बच्चो! मुहावरों का यह कार्य यहाँ समाप्त हुआ। आशा है सब बच्चों ने मुहावरा प्रयुक्त वाक्य अच्छे से समझ लिए होंगे। अब मैं गृहकार्य देने जा रही हूँ।

गृहकार्यः- सब बच्चे अध्यापिका द्वारा कराए गए कार्य को अपनी अभ्यास-पुस्तिका में करेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-5)

Scanned with CamScanner